बी.पी.सी.सी.–133

मनोविज्ञान
(बी.ए.जी.)

कोर पाठ्यक्रम (CC)

सत्रीय कार्य
जुलाई 2021–2022

बी.पी.सी.सी. 133 : मनोवैज्ञानिक विकार

इग्नू
जन-जन का
विश्वविद्यालय
मनोविज्ञान संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

सत्रीय कार्य
जुलाई 2021-2022

प्रिय शिक्षार्थी,

जैसा कि हमने आपको कार्यक्रम दर्शिका में सूचित किया है कि इग्नू में मूल्यांकन दो भागों में होता हैः i) सत्रीय कार्य द्वारा सतत् मूल्यांकन, और ii) सत्रांत परीक्षा। अंतिम परीक्षा परिणाम में, सभी सत्रीय कार्यों के लिए 30 प्रतिशत अंक तथा सत्रांत परीक्षा के लिए 70 प्रतिशत अंक निर्धारित है।

बी.पी.सी.सी. 133, 6 क्रेडिट (4 क्रेडिट सिद्धांत + 2 क्रेडिट ट्यूटोरियल) का पाठ्यक्रम है। आपको **बी.पी.सी.सी. 133** के 4 क्रेडिट के लिए **सत्रीय कार्य** करने होंगे। 2 क्रेडिट की ट्यूटोरियल संबंधित गतिविधि सत्रीय कार्य के भाग ब में सम्मिलित की गई है। यह गतिविधि 2 क्रेडिट की है।

भाग अः सत्रीय कार्य-I में वर्णनात्मक श्रेणी के प्रश्न हैं। आपको इन प्रश्नों के उत्तर निबंध के समान, प्रस्तावना एवं निष्कर्ष के साथ लिखने होंगे। इनका प्रयोजन विषय से संबंधित आपकी समझ एवं जानकारी को व्यवस्थित, संगत तथा सुस्पष्ट तरीके से वर्णन करने की योग्यता को जांचना है।

सत्रीय कार्य-II में लघु श्रेणी के प्रश्न हैं। इन प्रश्नों के उत्तर के लिए आपको सर्वप्रथम तर्क और स्पष्टीकरण के संदर्भ में विषय का विश्लेषण करना होगा, जिसके उपरान्त प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त तरीके से लिखने होंगे। ये प्रश्न विषय से संबंधित अवधारणाओं व प्रक्रियाओं को स्पष्ट रूप से समझने की क्षमता का परीक्षण करने के लिए हैं।

भाग बः ट्यूटोरियल – सत्रीय कार्य के भाग ब में दी गई गतिविधि को पूरा करना होगा। इसका मूल्यांकन आपके शैक्षणिक परामर्शदाता करेगें। यह गतिविधि सत्रीय कार्य के अतिरिक्त की जायेगी।

सत्रीय कार्य करने से पहले, कार्यक्रम दर्शिका में दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।

यह अनिवार्य है कि आप सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें। आपका उत्तर किसी विशेष श्रेणी के लिए निर्धारित शब्द–सीमा की अनुमानित सीमा के भीतर होना चाहिए। याद रखिये कि इन सत्रीय प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपके लेखन कौशल में सुधार होगा, तथा आप सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार हो जाएंगे।

सत्र	सत्रीय कार्य जमा करने की तिथि	सत्रीय कार्य जमा करने का स्थान
जुलाई 2021 एवं जनवरी 2022	30 अप्रैल, 2022 एवं 31 अक्टूबर, 2022	पूरा किया हुआ सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास जमा करा दें।

* आपको सारे सत्रीय कार्य निर्धारित समय सीमा के अन्दर जमा करने होंगे, जिससे आप सत्रांत परीक्षा दे सके।

जमा कराये गये सत्रीय कार्यों की अध्ययन केन्द्र से रसीद अवश्य प्राप्त करें, तथा उसे संभाल कर रखिये। सत्रीय कार्य की एक फोटोकॉपी भी अपने पास रखें। मूल्यांकन के पश्चात, अध्ययन केन्द्र सत्रीय कार्यों को आपको लौटा देगा। पूर्ण किये हुए सत्रीय कार्य आपको प्रेषित किये गये अध्ययन केन्द्र के संचालक को ही भेजने होंगे।

सत्रीय कार्य लिखने से पहले नीचे दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक अनुकरण करें:

1. आपके लिए नीचे दिए गये तथ्यों पर ध्यान केन्द्रित करना उपयोगी साबित होगा।

   क) योजना : सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। सत्रीय कार्य के प्रश्न जिन इकाइयों पर आधारित हैं, उन्हें ध्यान से पढिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए उसके बारे में महत्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें, और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

   ख) संगठन : अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले कुछ बेहतर तथ्यों का चुनाव और विश्लेषण कीजिए। उत्तर की प्रस्तावना और निष्कर्ष पर विशेष ध्यान दें। उत्तर लिखने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लें कि :

   क) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत है;

   ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध है; तथा

   ग) उत्तर आपके भाव, शैली और प्रस्तुति के आधार पर सही है।

ग) **प्रस्तुतीकरण** : जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर की स्वच्छ प्रति तैयार करें। **उत्तर साफ–साफ और अपनी हस्तलिपि में लिखना अनिवार्य है।** जिन बिंदुओं पर आप जोर देना चाहते हो, उन्हें रेखांकित कर दें। यह अवश्य सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तर निर्धारित शब्द–सीमा के भीतर ही होना चाहिए।

2. अपने उत्तर लिखने के लिए A4 साइज पेपर का प्रयोग करें और सभी पेजों को ध्यानपूर्वक टैग करें। बायीं ओर 4 सेमी का हाशिया और दो उत्तरों के बीच कुछ जगह छोड़े। उपयुक्त जगहों पर छोड़े गये हाशिया में उपयुक्त टिप्पणी करने में शैक्षणिक परामर्शदाता को सुविधा होगी।

3. ***उत्तर आपकी स्वयं की लिखावट में होनी चाहिए।*** अपने उत्तरों को टाइप या प्रिंट न करें। विश्वविद्यालय द्वारा भेजे गये अध्ययन सामग्री से अपने उत्तर की नकल न करें। अगर आप अध्ययन सामग्री से नकल करते हैं तो आपको शून्य अंक मिलेंगे।

4. आपको सत्रीय कार्य की एक प्रति पूर्ण किये सत्रीय कार्य के साथ इसे जमा करने से पहले संलग्न करनी होगी।

5. अगर आपने अध्ययन केन्द्र परिवर्तित के लिए निवेदन किया हुआ है, तो आपको सत्रीय कार्य, मूल अध्ययन केन्द्र में ही जमा करना चाहिए जब तक कि आपको विश्वविद्यालय द्वारा अध्ययन केन्द्र के बदलने की सूचना ना मिल जाये।

6. अगर आपको अपने सत्रीय कार्य के मूल्यांकन के पश्चात् कोई वास्तविक त्रुटि मिलती है जैसे सत्रीय कार्य का कोई हिस्सा का मूल्यांकन नहीं हुआ हो या कुल अंक जो संत्रीय कार्य पर गलत अंकित है, आदि। ऐसी त्रुटियों के सुधार के लिए और मुख्यालय में सही अंको को भेजने के लिए, अपने अध्ययन केन्द्र के संचालक से संपर्क करें।

शुभकामनाओं के साथ,

मनोविज्ञाान संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ,
इग्नू, नई दिल्ली

बी.पी.सी.सी.-133 : मनोवैज्ञानिक विकार
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोडः **BPCC-133**
सत्रीय कार्य कोड : **बी.पी.सी.सी. -133 /ए.एस.एस.टी./TMA/2021-22**
अधिकतम अंकः **100**

नोटः सभी प्रश्न अनिवार्य है।

भाग–अ

सत्रीय कार्य - I

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 20 अंक नियत है। **2X20=40**

1. मादक पदार्थ सेवन विकार के कारणात्मक कारकों एवं उपचार पर चर्चा कीजिए। 20

2. प्रमुख विषादी विकार के लक्षणों को स्पष्ट कीजिए। एक ध्रुवीय मनोदशा विकार के जैविकीय कारणात्मक कारकों की व्याख्या कीजिए। 20

सत्रीय कार्य - II

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक नियत है। **6X10=60**

3. दुर्भीति के विकास में व्यवहारात्मक परिप्रेक्ष्य
4. डी. एस. एम. – 5
5. मनोग्रस्ति बाध्यता विकास के लक्षण
6. मनोविदलता में आनुवंशिक प्रभाव
7. बालरतिज (पीड़ोफीलिया) विकार
8. अभिद्यातज उत्तर तनाव विकार

भाग–ब

ट्यूटोरियल

नोटः निम्नलिखित निर्देशों के अनुसार गतिविधियों को पूरा कीजिए। कृपया गतिविधियों को सुसंगत एवं संगठित तरीके से करने का प्रयास कीजिए। प्रत्येक गतिविधि के लिए 15 अंक नियत है। प्रत्येक गतिविधि के लिए प्रासंगिक ऑफलाइन या ऑनलाइन संसाधनों का संदर्भ ले सकते है। प्रत्येक इकाई के अंत में भी कुछ उपयोगी संसाधन सूचीबद्ध हैं।

1. हम सभी वर्ष 2020 के शुरुआत में होने वाली कोविड–19 महामारी के गवाह है। लोग इस कठिन समय के दौरान अस्तव्यस्तता एवं व्यवधान के बीच 'नए सामान्य' (new normal) के साथ तालमेल बिठाने का प्रयास कर रहे है। इस दौरान कोविड–19 के कारण अनेक आकस्मिक मृत्यु हुई। जब हम गैर–कोविड मृत्यु के आँकड़े देखते हैं, तो मानसिक बीमारी के कारण मृत्यु की संख्या सबसे अधिक पाई गई। इंडियन साइकियाट्रिक सोसाइटी ने लॉकडाउन की शुरुआत में मानसिक बीमारी से ग्रस्त व्यक्तियों की संख्या में वृद्धि दर्ज की है।

   उपरोक्त के संदर्भ में, मानसिक स्वास्थ्य देखभाल अधिनियम 2017, के प्रमुख पहलुओं पर प्रकाश डालिए तथा भारत में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं पर विस्तार से लिखिए।

नोटः उत्तर अपने शब्दों में लिखिए एवं उत्तर के अंत में उन लेखों/पुस्तकों के संदर्भ का उल्लेख कीजिए, जिनका उपयोग आपने संदर्भ के रूप में किया है।

2. वर्ल्ड फेडरेशन फॉर मेंटल हेल्थ प्रत्येक वर्ष 10 अक्टूबर को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाता है। वर्ष 2021 में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस की थीम 'मेंटल हेल्थ इन अनइक्यूअल वर्ल्ड' है। मानव अधिकार के दृष्टिकोण से उपरोक्त विषय पर लिखिए।

नोटः उत्तर अपने शब्दों में लिखिए एवं उत्तर के अंत में उन लेखों/पुस्तकों के संदर्भ का उल्लेख कीजिए, जिनका उपयोग आपने संदर्भ के रूप में किया है।